५/१/२४	वादीया स्वंय जरिये अधिवक्ता के उपस्थित होकर प्रा. पत्र पत्रावली तलब करने का प्रस्तुत होने पर पत्रावली आज तलब की जाकर पत्रावली आज पेश हुई एवं प्रा. पत्र बाबत वाद खारिज करने का प्रस्तुत कर	Sd. सि चोधरी [illegible]

Signature Not Verified

Digitally signed by Abhishek Surana
Date: 2021.03.15 14:18:20 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

फर्द अहकाम

श्रीमती पोपीदेवी बनाम श्रीभगवान व अन्य

नाम न्यायालय

केस संख्या 20/2018 वाद

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		निवेदन किया है कि प्रार्थीया वादीया व अप्रार्थी / प्रति वादीगण के मध्य राजीनामा हो गया है इस कारण प्रार्थीया वादीया उक्त प्रकरण में अब कोई कार्यवाही नहीं करना चाहती है उक्त प्रकरण को विड्रा किये जाने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।
		प्रा. पत्र एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थीया / वादीया का प्रा. पत्र बाबत वाद विड्रा किये जाने का स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।
		अतः प्रार्थीया / वादीया का प्रा. पत्र बाबत वाद विड्रा करने का स्वीकार किया जाकर वाद विड्रा करने की अनुमति प्रदान की जाती है। पत्रावली के नतीजा शुमार होकर उपर नम्बर से कम हो तथा दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Abhishek Surana
Date: 2021.03.15 14:18:20 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner